



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 127]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 20, 2009/पौष 30, 1930

No. 127]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 20, 2009/PAUSA 30, 1930

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 2009

“राष्ट्रीय मांस और पॉल्ट्री प्रसंस्करण बोर्ड” का गठन

1.0 पृष्ठभूमि

का.आ. 208(अ).—स्वास्थ्यकर, सुरक्षित और पौष्टिक मांस/मांस उत्पादों के उत्पादन से जुड़े मसलों, घरेलू मानकों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप करने; देश में एकसमान और प्रभावी मांस गुणवत्ता परीक्षण प्रणालियाँ विकसित करने और साथ ही मांस उद्योग की वर्तमान स्थितियों की वजह से पर्यावरण प्रदूषण से जुड़े मसलों तथा मांस एवं पॉल्ट्री प्रसंस्करण क्षेत्र के व्यवस्थित और उपयुक्त विकास से संबंधित मुद्दों के संबोधन के लिए केंद्रीय/राष्ट्रीय हब के रूप में कार्य करने के लिए केंद्रित दृष्टिकोण और गहन प्रयास के लिए अंतर-मंत्रालयी परामर्श के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार ने मंत्रिमंडल के अनुमोदन से सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत राष्ट्रीय मांस और पॉल्ट्री प्रसंस्करण बोर्ड स्थापित करने का निर्णय लिया है।

2.0 उद्देश्य

राष्ट्रीय मांस और पॉल्ट्री प्रसंस्करण बोर्ड के प्रमुख कार्य क्षेत्र निम्न प्रकार होंगे: -

2.01 मांस तथा पाल्त्री प्रसंस्करण क्षेत्र के सतत विकास में सहायता करना ।

2.02 स्वच्छकर मांस और मांस उत्पादों के उत्पादन के लिए तथा बूचड़खानों से निकलने वाले अपव्यय का उपयोग करके उससे मूल्यवर्धित पशु उत्पाद तैयार करके तकनीकी परामर्श उपलब्ध कराकर बूचड़खानों की स्थापना/आधुनिकीकरण में उद्योग की सहायता करना ।

2.03 अपेक्षित स्वदेशी और अंतर्राष्ट्रीय बाजार मानकों को पूरा करने के लिए मांस और मांस उत्पादों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशालाओं और विश्लेषणात्मक प्रयोगशालाओं की स्थापना करना ।

2.04 मांस उत्पादन में अच्छी निर्माण प्रणालियाँ, हैजार्ड एनालिसिस एंड क्रिटिकल कंट्रोल प्वाइंट्स, आई.एस.ओ. - 22000 अपनाने हेतु मांस उत्पादकों और उद्यमियों को संवर्धित और प्रशिक्षित करना ।

2.05 भारत में मांस और मांस उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन संबंधी वर्तमान विनियमनों और कानूनों के कार्यान्वयन के लिए एक तंत्र स्थापित करना ।

2.06 मांस क्षेत्र के सुधार के लिए बाजार सर्वेक्षण करना तथा उद्योग को बाजार-आसूचना, डाटा बेस तैयार करने तथा उसका नियमित आधार पर प्रसार करने में उद्योग की सहायता करना ।

2.07 अनुसंधान करने तथा मांस और मांस प्रसंस्करण उद्योग में कामगारों, तकनीशियनों, प्रबंधकों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना करने में सहायता करना ।

2.08 भारत के मांस/पॉल्ट्री मांस प्रसंस्करण क्षेत्र में अनुमार्गणीयता हेतु बैकवर्ड और फारवर्ड लिंकेज के लिए बुनियादी सुविधाएं स्थापित करने में उद्योग की सहायता करना ।

2.09 मांस और पॉल्ट्री प्रसंस्करण क्षेत्र के व्यवस्थित और उपयुक्त विकास से संबंधित मुद्दों के संबोधन के लिए केंद्रीय/राष्ट्रीय हब के रूप में कार्य करना ।

3.0 संघटन

3.01 राष्ट्रीय मांस और पॉल्ट्री प्रसंस्करण बोर्ड में निम्नलिखित अनुसार 19 सदस्य होंगे-

राष्ट्रीय मांस और पॉल्ट्री प्रसंस्करण बोर्ड के सदस्य	पदनाम
1. मांस/पॉल्ट्री उद्योग के प्रतिष्ठित व्यावसायिक	1 (अध्यक्ष)
2-5 पशुधन/पॉल्ट्री उत्पादकों के प्रतिनिधि	4 (सदस्य)
6-9 मांस प्रसंस्करणकर्ता/निर्यातकों के प्रतिनिधि	4 (सदस्य)
10 नोडल मंत्रालय (खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय) का प्रतिनिधि	1 (सदस्य)
11-12 कृषि मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय के प्रतिनिधि	2 (सदस्य)
13-16 राज्य सरकारों के प्रतिनिधि (बारी-बारी से)	4 (सदस्य)
17-18 पशुधन/मांस उत्पादन में कार्यरत प्रशिक्षण/अनुसंधान संस्थानों का प्रतिनिधि	2 (सदस्य)
19 राष्ट्रीय मांस और पॉल्ट्री प्रसंस्करण बोर्ड के सचिव/मुख्य कार्यकारी अधिकारी	1 (सदस्य)

3.02 खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा नामित किए जाने वाले अन्य सदस्यों समेत बोर्ड का अध्यक्ष प्रारंभ से ही खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा नामित मांस उद्योग का एक प्रगतिशील व्यावसायिक होगा । तत्पश्चात्, बोर्ड के सदस्यों को सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 के नियमों के अनुसार नामित/चयन किया जा सकता है ।

3.03 यह बोर्ड केंद्रीय सरकार द्वारा गठित किया जाएगा और इसका सामान्य कार्यकाल इसके गठन की तारीख से तीन वर्षों के लिए होगा । बोर्ड की बैठकों में उपस्थित होने के लिए गैर-सरकारी सदस्य केंद्रीय सरकार द्वारा निर्धारित यात्रा भत्ते/महंगाई भत्ते के पात्र होंगे ।

4.0 अनुमानित निष्कर्ष

बोर्ड के प्रस्तावित कार्यकलापों से सुरक्षित, स्वास्थ्यकर और पौष्टिक मांस के उत्पादन, जनता के आम स्वास्थ्य में सुधार, निर्यात में वृद्धि आदि समेत मांस और पॉल्ट्री प्रसंस्करण क्षेत्र का समेकित और सतत विकास होगा । इससे ग्रामीण और शहरी इलाकों में स्थित परिवारों और अन्य पणधारियों की आय में पर्याप्त प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष वृद्धि होगी, रोजगार और अन्य सामाजिक, आर्थिक लाभ होगा और पर्यावरण और अपशिष्ट के निपटान की समस्या का संबोधन होगा ।

MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES
NOTIFICATION

New Delhi, the 20th January, 2009

Constitution of "National Meat and Poultry Processing Board" (NMPPB)

1.0 Background

S.O. 208(E).—In pursuant to the inter ministerial consultations to have a focused approach and for intensive efforts required to address the issues related to production of hygienic, safe and wholesome meat/meat products; harmonization of domestic standards with international standards; develop uniform and effective meat quality testing systems in the country; and to address the environmental pollution issue arising out of the present conditions in the meat industry and also to work as a Central/National hub to address issues related to Meat and Poultry Processing Sector for its systematic and proper development, the Central Government with the approval of Cabinet has decided to establish the National Meat and Poultry Processing Board under Societies Registration Act, 1860.

2.0 Objectives

The key areas of work for NMPPB will be as under: -

2.01 To foster the sustainable development of the Meat and Poultry Processing Sector

2.02 Helping the industry in setting up/modernization of abattoirs by providing technical consultancy for production of hygienic meat and meat products and for utilization of slaughterhouse wastes to prepare animal byproducts with value addition.

2.03 Setting up Quality control laboratories and analytical laboratories for meat and meat products to meet the required domestic and international market standards.

2.04 Promoting and training of meat producers and entrepreneurs to adopt Good Manufacturing Practices (GMP), Hazard Analysis & Critical Control Points (HACCP), ISO-22000 in meat production.

2.05 Setting up a mechanism for implementation of the existing regulations and laws in India on meat and meat production, processing and marketing.

2.06 To undertake market surveys and help the industry to create market intelligence, data base and its dissemination on regular basis for improvement of the meat sector.

2.07 To provide help for research and for setting up training institutions to train workers, technicians, managers in meat and meat processing industry.

2.08 To help the industry to establish infrastructure for backward and forward linkages for trace-ability of meat in meat / poultry meat processing sector of India.

2.09 Work as a Central / National hub to address issues related to Meat and Poultry processing sector for its systematic and proper development.

3.0 Composition

3.01 The National Meat and Poultry Processing Board will consist of 19 members, as given below:

Members of NMPPB Board		Designation
1.	Eminent professional from meat/poultry industry	1 (Chairman)
2-5	Representatives of livestock/poultry producers	4 (Members)
6-9	Representatives of meat processors / exporters	4 (Members)
10	Representative of the nodal Ministry (M/o FPI)	1 (Member)
11-12	Representatives of M/o Agriculture and M/o Commerce	2 (Members)
13-16	Representatives of State Governments (by rotation)	4 (Members)
17-18	Representative of training/ research institutes working on livestock/ meat production	2 (Members)
19	Secretary/CEO of NMPPB	1 (Member)

3.02 The Chairman of the Board from its inception will be a progressive professional from the meat/poultry industry including other members to be nominated by the M/o FPI. Afterwards, the members of the Board may be nominated / elected as per rules under Societies Registration Act, 1860.

3.03 The Board will be constituted by the Central Government and its normal term will be three years from the date of its constitution. For attending meetings of the Board, non-official members shall be entitled to TA/DA as per Government of India rules.

4.0 Expected Outcome

The proposed activities of the Board will lead to integrated and sustainable development of the Meat and Poultry Processing Sector including production of safe, hygienic & wholesome meat, improving the general health of the public, increase in exports etc. There will be considerable direct/ indirect benefits of income, employment and other socio-economic benefits to families in urban and rural areas as well as other stakeholders, and addressing the problem of pollution and waste disposal.

[No. 11 (16)/27/2005-MFPO]
K. RAJESWARA RAO, Jt. Secy.